2nd semester Honours & prog.(MIL)

निरालाः जीवन परिचय

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का प्रारंभिक नाम सूर्य कुमार त्रिपाठी। जन्म–29 फरवरी सन 1899 ई ,स्थान–महिषादल (मेदिनीपुर) ,पश्चिम बंगाल। मूल निवासी–गढ़ाकोला, उन्नाव, उत्तर प्रदेश। पिता–रामसहाय त्रिपाठी। पत्नी–मनोहरा देवी। पुत्र–रामकृष्ण त्रिपाठी। पुत्री–सरोज। उन्होंने महिषादल के राजा के यहाँ नौकरी किया पर जीविकोपार्जन का अन्य उपाय न होने पर भी उस नौकरी को छोड़ दिया। वे रामकृष्ण मिशन से निकलने वाली पत्रिका 'समन्वय' के संपादक 1922 ई में बने। वे सन् 1923–24 में 'मतवाला' पत्रिका के संपादक बने। मृत्यु–15 अक्टूबर 1961 ई, प्रयाग।

काव्य–संकलनः अनामिका (प्रथम संकलन, प्रकाशन काल–कलकत्ता से 1923 ई में), परिमल (1930 ई), गीतिका, अनामिका (द्वितीय संस्करण 1938 ई), तुलसीदास, अणिमा (1943 ई), बेला (1946 ई), नये पत्ते, आराधना, अर्चना, गीतगुँज, सांध्य–काकली और अपरा (1947 ई)।

प्रथम कविता– जूही की कली (रचनाकाल–1916 ई), मतवाला में 1933 ई में छपी।

शोक गीत– सरोज स्मृति (1935 ई)

सम्पादक– समन्वय, मतवाला, सुधा

हिन्दी के छायावादी कवियों में निराला का विशेष स्थान है। वे हिन्दी में मुक्त छन्द के जनक हैं

कविता– 'राजे ने अपनी रखवाली की'

लघु प्रश्न–

1. 'राजे ने अपनी रखवाली की' कविता के रचयिता कौन हैं?

2. 'राजे ने अपनी रखवाली की' किस प्रकार की कविता है?

3. कौन किला बनाकर रहता है?

4. निराला ने ब्राह्मण के संबंध में क्या कहा है?.

5. 'लोहा बजा धर्म पर, सभ्यता के नाम पर ' का भावार्थ लिखें।

6. लोक नारियों के लिए कौन आदर्श बनता है?

7. सभ्यता के नाम पर राजा क्या करता है?

8. निराला ने इतिहासकारों के संबंध में क्या कहा है?

9. निराला ने 'चापलूस' किसे कहा है?

10. कवियों ने किसकी बहादुरी के गीत गाये?

11. निराला ने नाट्य–कलाकारों के संबंध में क्या कहा है?

12. 'जनता पर जादू चला राजे के समाज का' भावार्थ स्पष्ट करें।

13. 'धर्म का बढ़ावा रहा धोखे से भरा हुआ' का तात्पर्य स्पष्ट करें।

14. 'आँख–कान मूंदकर जनता ने डुबकिया लीं' का भावार्थ स्पष्ट करें।

15. राजा ने अपनी रखवाली कैसे की?

16. 'राजे ने अपनी रखवाली की' कविता निराला के किस काव्य–संकलन में संकलित है?